http://www.ukboardonline.com

रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IAA)

2016

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रत्येक समाज को एक दार्शनिक मत स्वीकार करना होगा। उसी के आधार पर उसकी राजनीतिक, सामाजिक और कौटुम्बिक व्यवस्था का व्यूह खड़ा होगा। जो समाज अपने वैयक्तिक और सामूहिक जीवन को केवल प्रतीयमान उपयोगिता के आधार पर चलाना चाहेगा उसे बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। एक विभाग के आदर्श दूसरे विभाग के आदर्श से टकरायेंगे। जो बात एक क्षेत्र में ठीक जँचेगी वही दूसरे क्षेत्र में अनुचित कहलायेगी और मनुष्य के लिए अपना कर्त्तव्य स्थिर करना कठिन हो जायेगा। इसका तमाशा आज दीख पड़ रहा है। चोरी करना बुरा है पर पराये देश का शोषण करना बुरा नहीं है। झूठ बोलना बुरा है पर राजनीतिक क्षेत्र में सच बोलने पर अड़े रहना मूर्खता है। घरवालों के साथ, देशवासियों के साथ और परदेशियों के साथ बर्ताव करने के लिए अलग–अलग आचारावलियाँ बन गयी हैं। इससे विवेकशील मनुष्य को कष्ट होता है। पग–पग पर धर्मसंकट में पड़ जाता है कि क्या करूँ ? कल्याण इसी में है कि खूब सोच–विचारकर एक व्यापक दार्शनिक मत अंगीकार किया जाये और फिर सारे व्यवहार की नींव बनाई जाये।

(क) प्रतीयमान उपयोगिता का क्या तात्पर्य है ? 3

(ख) समाज को अपनी व्यवस्थाओं का व्यूह किसके आधार पर खड़ा करना चाहिए ? 3

(ग) विवेकशील मनुष्य को कष्ट कब होता है ? 3

(घ) 'दार्शनिक मत' स्वीकार न करने से जो तमाशा आज दिखाई पड़ रहा है, उसका एक उदाहरण दीजिए। 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिये – 10

(क) कामकाजी नारी और उसकी समस्याएँ

(ख) विज्ञापन का जीवन पर प्रभाव

(ग) उत्तराखण्ड की सम्पदा– जल और वन का उपयोग

(घ) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते चरण

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) सम्पादकीय का उद्देश्य क्या होता है ?

(ख) इण्टरनेट से होने वाले दो लाभ बताइये।

(ग) फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहते हैं ?

(घ) 'उल्टा पिरामिड' किसे कहा जाता है ?

(ङ) 'ब्रेकिंग न्यूज' किसे कहते हैं ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

4. 'केदारनाथ–आपदा' पर लगभग 150 शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। 5

अथवा

'मोबाइल बिन सब सून' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×3 = 6

(i) कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना ?
नादान वहीं है, हाय, जहाँ पर दाना !
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे ?
मैं सीख रहा हूँ, सीखा ज्ञान भुलाना !
मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना–बना कितने जग रोज़ मिटाता;
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता !

(क) 'नादान वहीं है, हाय, जहाँ पर दाना।' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?
(ख) कवि ने संसार को 'मूढ़' क्यों कहा है ?
(ग) कवि और संसार में कोई नाता क्यों नहीं है ?

(ii) खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी ?'
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु !
दुरित–दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

(क) जीविका विहीन लोगों की कैसी दशा हो रही है ? वे एक–दूसरे से क्या कह रहे हैं ?
(ख) वेद और पुराण में क्या कहा गया है ?
(ग) कवि क्या देखकर दुखी हो रहा है ?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2×2 = 4

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आइने में चाँद उतर आया है

(क) उक्त पंक्तियों में भाव–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
(ख) भाषा की दृष्टि से काव्यांश के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2×2 = 4

(क) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?
(ख) 'बादल–राग' कविता में कवि की सहानुभूति समाज के किस वर्ग के साथ है ? क्यों ?
(ग) 'शीतल वाणी में आग' से कवि का क्या आशय है ? 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिये।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2×3 = 6

(i) इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज हैं। कभी–कभी कैसे–कैसे सन्दर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी–बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम–निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) लेखक के मन को कौन सी बात कचोट जाती है ?

(ख) भ्रष्टाचार की बातें करते समय हम क्या नहीं जाँचते हैं ?

(ग) 'गगरी फूटी की फूटी और बैल पियासे के पियासे' वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) जाति–प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम–श्रमिक–समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धान्त के विपरीत जाति–प्रथा का दूषित सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता–पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

(क) जाति–प्रथा को स्वाभाविक श्रम विभाजन क्यों नहीं माना जा सकता है ?

(ख) सक्षम श्रमिक–समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है ?

(ग) जाति–प्रथा का दूषित सिद्धान्त क्या है ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×2 = 6

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गईं ?

(ख) नमक की पुड़िया ले जाने के सम्बन्ध में साफिया के मन में कौन सा द्वन्द्व चल रहा था ?

(ग) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – http://www.ukboardonline.com 2×2 = 4

(क) 'सिल्वर वैडिंग' पार्टी के अन्त में यशोधर बाबू को कौन सी बात चुभ गई और क्यों ?

(ख) 'जूझ' के आधार पर बताइए कि बहुत दिनों से घर बैठा लेखक पुनः पाठशाला कैसे पहुँचा ?

(ग) मुअनजो–दड़ो और चण्डीगढ़ नगर की शैली में क्या समानता है ?

11. यशोधर बाबू की कहानी में किशन दा की भूमिका की विवेचना कीजिए। 5

अथवा

श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित कीजिये जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रुचि जाग्रत की।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

पण्डितजवाहरलालनेहरू अस्य व्यक्तित्वसन्दर्भे उक्तवान् "पं० गोविन्दवल्लभपन्तः झंझावातेषु अपि मार्गप्रदर्शकः दीपकः आसीत्" पण्डितगोविन्दवल्लभपन्तः 1961 तमे वर्षे मार्चमासस्य सप्तमे दिनाङ्के इह लोकं परित्यज्य दिवं जगाम परन्तु अस्य कीर्तिकौमुदी सदैव जनानां मार्गदर्शनं करिष्यति।

(क) पं० गोविन्दवल्लभपन्तस्य व्यक्तित्वसंदर्भे पण्डितजवाहरलालनेहरुः किम् उक्तवान् ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(ख) 'मार्गप्रदर्शकः दीपकः' कः आसीत् ?
(ग) कस्मिन् दिनाङ्के गोविन्दवल्लभपन्तः इह लोकं परित्यजति स्म ?
(घ) कस्य कीर्तिकौमुदी जनानां मार्गदर्शनं करिष्यति ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2 = 4
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)
उष्मतो म्लायते वर्णस्त्वक् फलं पुष्पमेव च।
म्लायते शीर्यते चापि स्पर्शस्तेनात्र विद्यते ।।
वाय्वग्न्यशनिनिर्घोषैः फलं पुष्पं विशीर्यते।
श्रोत्रेण गृह्यते शब्दस्तस्माच्छृण्वन्ति पादपाः ।।
(क) उष्मतः वृक्षाणां किं किं म्लायते ? (ख) फलं पुष्पं केन विशीर्यते ? (ग) शब्दः केन गृह्यते ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः पञ्च प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×5 = 10
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)
(क) मृगया अस्माकं कुलवृत्तिः कः कस्मै कथयति ?
(ख) का सदैव कटु वचनं वदति ?
(ग) प्रेक्षकाः मण्डूकाः किं कृतवन्तः ?
(घ) अनुजः किं परित्यक्तवान् ?
(ङ) मंचसंचालनं कः करिष्यति ?
(च) का वृक्षं वेष्टयते ?
(छ) 'धर्मात्मजः' इति पदं कस्मै प्रयुक्तम् ?
(ज) समस्तराष्ट्रं केषाम् उल्लासे मग्नं आसीत् ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा चत्वारि वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत – 1×4 = 4
(निम्नलिखित शब्दों में से चार शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)

शब्दसूची – शिक्षकः, करिष्यामि, कुशलः, भवन्ति, कीदृशः, स्पर्धाः, पादपाः, अस्माकं, अत्र, बहवः

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए।) – 1
चन्द्रमुखम् **अथवा** हरित्रातः

(ख) कारकस्य निर्देशनं कुरुत (कारक का निर्देशन कीजिए) – 1
वृक्षेषु वानराः सन्ति। **अथवा** गुरुः छात्राय पुस्तकं ददाति।

(ग) 'आत्मन्' **अथवा** 'भूपति' शब्दस्य तृतीया विभक्तेः बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1
('आत्मन्' **अथवा** 'भूपति' शब्द का तृतीया विभक्ति के बहुवचन का रूप लिखिए।)

(घ) लकारं पुरुषं च लिखत (लकार और पुरुष लिखिए) – 1
गर्जन्ति **अथवा** गच्छ

(ङ) (i) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – मुनिः + तपति **अथवा** निः + धनम् 1
(ii) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – रामोऽपि **अथवा** निस्सार 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3 = 6
(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए)

****

http://www.ukboardonline.com